

क्रम

प्रेषक,

डा० उमाकांत पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

दिनांक 27 मार्च, 2014

विषय:- पुनर्विनियोग की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 3502/सं०नि०उ०/दो-३/2013-14 दिनांक 21 फरवरी, 2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति योजना कार्यालय, नैनीताल हेतु विभिन्न मानक मदों में ₹ 0.63 लाख (₹ तिरसठ हजार) मात्र की धनराशि संलग्न बी०एम०-९ के अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से, आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। पूर्व में जारी शासनादेशों एवं अन्य निर्धारित नियमों के दृष्टिगत कहीं कोई विसंगति की स्थिति संज्ञान में आती है, तो तत्काल प्रकरण पर शासन का मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सके।

3- धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जाय। धनराशि का आहरण/व्यय मासिक व्यय की सारिणी बनाकर यथाआवश्यकता नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

4- उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी०एम०-८ पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।

5- धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

6- उक्त धनराशि का आहरण/व्यय भारत सरकार द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

7— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2013-14 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11-लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-103-पुरातत्व विज्ञान-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-0101-पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम 1972 का कार्यान्वयन (50 प्रतिशत के0स0)-01-वेतन, 03-मंहगाई भत्ता तथा 06-अन्य भत्ते मानक मद के आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्न बी0एम0-9 के कॉलम-1 में इंगित बचतों से वहन किया जायेगा।

8— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 96 (NP)/XXVII(3)/2013-14 दिनांक 27 मार्च, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:- यथोपरि।

भवदीय,

(डॉ उमाकांत पंवार)

सचिव

पृष्ठांकन संख्या 172 VI-2/2013-71(9)/2013 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- 1— महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2— निजी सचिव, मा० संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 3— वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
- 4— वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5— बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6— एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
- 7— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य मोहन नौटियाल)
अपर सचिव